ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-07-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-15	2023-07-16	2023-07-17	2023-07-18	2023-07-19
वर्षा (मिमी)	60.0	50.0	90.0	110.0	50.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	17.0	17.0	18.0	17.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	85	85	85	85
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	130	70	130	130	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 15 से 18 जुलाई तक मध्यम से भारी बारिश (50-110 मिमी) होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.0 से 18.0 डिग्री सेल्सियस और 16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से 6.0 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने की सम्भावना है । चेतावनी: जिले के लिए 14-16 एवं 18 तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जुलाई में आंधी/बिजली और तीव्र बारिश के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है जबकि 17 जुलाई को अत्यधिक भारी वर्षा की ऐसी ही स्थिति के बारे में रेड अलर्ट जारी किया गया है बिजली/तूफान और तीव्र वर्षा जारी की गई है।

सामान्य सलाहकार:

13 जुलाई, 2023 के विस्तारित रेंज पूर्वानुमान से पता चलता है कि राज्य में साप्ताहिक (5- 12 जुलाई) बारिश अधिक मात्रा में यानी 176.8 मिमी और नैनीताल में 185.8 मिमी बारिश हुई है जो कि अधिक है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें तथा बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है । इससे किसानो को कृषि कार्यों में निर्णय लेने में मदद मिलेगी और आम इंसान जान-माल की क्षति से बच सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

14-16 और 18 जुलाई को भारी से बहुत भारी वर्षा और 17 जुलाई को अत्यंत भारी वर्षा का पूर्वानुमान दिया गया है इसलिए किसानों को अपने खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखने का सुझाव दिया जाता है ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	अत्यधिक वर्षा के पूर्वानुमान के कारण खेत में उचित जल निकास बनाये रखना चाहिए।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	बोए गए खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था होनी चाहिए।
मूँग	बोए गए खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था होनी चाहिए।
काला चना	बोए गए खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था होनी चाहिए।
सोयाबीन	बोए गए खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था होनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की तुड़ाई मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए। वर्षा पूर्वानुमान के अनुसार रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
सेम की फली	फ्रेंच बीन की तुड़ाई मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए। वर्षा पूर्वानुमान के अनुसार रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
मिर्च	मिर्च की तुड़ाई मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए। वर्षा पूर्वानुमान के अनुसार रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
टमाटर	टमाटर की तुड़ाई मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए। वर्षा पूर्वानुमान के अनुसार रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।